an>

Title: Regarding setting up a statue of Pandit Deen Dayal Upadhyay in the Parliament premises.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल **(मेरठ):** उपाध्यक्ष महोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारत की ऋषि परम्परा के अन्यतम मनीषी थे। राजनीति उनके लिए साधन थी, साध्य नहीं। उनकी आस्थाएं शताब्दियों पराने अक्षय राष्ट्रजीवन की जड़ों से रस ग्रहण करती थीं। भविष्य के निर्माण के लिए वह भारत को समृद्धिशाली आधुनिक राष्ट्र बनाने की कल्पना लेकर चले थे। उन्होंने सदैव आदर्शों पर बल दिया तथा सिद्धांतों के लिए जीना सिखाया। उनका व्यक्तित्व बहुत ही सहज एवं सरल था। राजनैतिक क्षेत्र में वह शुचिता एवं प्रामाणिकता के प्रतीक थे। उन्होंने अर्थव्यवस्था की वह एकात्मवादी दृष्टि दी जो उपभोक्तावादी दर्शनों, साम्यवाद और पूंजीवाद की विफलताओं के सामने तीसरे रास्ते का विकल्प प्रस्तुत करती है। अन्त्योदय उनका लक्ष्य था। सामाजिक और राजनैतिक गतिविधियों से जुड़े लोगों के लिए उनका व्यक्तित्व अत्यन्त प्रेरणास्पद है।

उपाध्यक्ष जी, इस वर्ष 25 सितम्बर से उनका जन्मशती वर्ष प्रारम्भ होगा। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि दीनदयाल जी के जन्मशताब्दि वर्ष में उनकी एक भव्य प्रतिमा संसद परिसर में स्थापित की जाए।

HON. DEPUTY SPEAKER: *m02 Dr. Satya Pal Singh and *m03 Shri Ashwini Kumar Chaubey are allowed to associate with the matter raised by Shri Rajendra Agarwal.